रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर सत्र– 2014–15

प्रष्न पत्र– एक — हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

प्रष्न पत्र– दो — प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

प्रष्न पत्र–तीन — भारतीय एवं पाष्चात्य काव्यषास्त्र

प्रष्न पत्र–चार — हिन्दी उपन्यास एवं कहानी साहित्य

तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर सत्र– 2014–15

प्रष्न पत्र– एक — आधुनिक हिन्दी काव्य

प्रष्न पत्र– दो — भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

प्रष्न पत्र–तीन — नाटक, निबंध एवं अन्य गद्य विधायें

प्रष्न पत्र–चार — वैकल्पिक –

(क) साहित्यिक वर्ग

(ख) व्यवसायिक वर्ग

(ग) लोक साहित्य

(घ) लघु षोध प्रबंध

(क) साहित्यिक वर्ग –

विशेष कवि – कबीर/तुलसीदास/सूरदास/निराला/माखनलाल चतुर्वेदी

नाटककार – प्रसाद/ मोहन राकेष

कथाकार – प्रेमचंद

(ख) व्यावसायिक वर्ग –

(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी
(2) अनुवाद विज्ञान
(3) पत्रकारिता प्रषिक्षण
(4) राजभाषा प्रषिक्षण
(5) भाषा षिक्षण
(6) दृष्य–श्रव्य विज्ञान

नोट–सेमेस्टर पद्धति में प्रत्येक प्रष्नपत्र 40 अंक का एवं आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक के होंगें। इस तरह कुल 50 अंक होंगे।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, प्रथम सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **प्रष्नपत्र–एक** **पूर्णांक–40**

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(आदिकाल एवं मध्यकाल)

इकाई –1– सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं काल विभाजन, हिन्दी साहित्य के इतिहास के लेखन की परंपरा, और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

इकाई –2– हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई –3– पूर्वमध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति–आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका विष्लेषण, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।

इकाई –4– राम काव्य और कृष्ण काव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैषिष्ट्य।

इकाई –5– उत्तर मध्यकाल–रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराएँ रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीति मुक्त प्रवृत्तियाँ और विषेषताएँ।

भारतीय संस्कृति के विभिन्न चरणों का सामान्य ज्ञान/हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं साहित्य और संस्कृति का परस्पर संबंध।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – $10 \times 1 = 10$	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – $5 \times 6 = 30$	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र षुक्ल, काषी प्रचारिणी सभा,

2.हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवदी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

3. संस्कृति के चार अध्याय– रामधारी सिंह दिनकर उदयांचल प्रकाषन पटना,

4.हिन्दी साहित्य की भूमिका–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवदी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

5. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. नगेन्द्र मयूर पेपर बेक्स दिल्ली,

6.हिन्दी रीति साहित्य–राजकमल प्रकाषन दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, प्रथम सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–द्वितीय : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई –1– चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो (संपा.–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं डॉ. नामवर सिंह), षषिव्रता विवाह प्रस्ताव (पद क्रं. 1 से 102 तक)।

इकाई –2– विद्यापति – (संपा.आनंद प्रकाष दीक्षित)
(पद क्रं. 3, 5, 6, 7, 8, 50 , 51, 52, 53, 54, 55, 56, 59, 62, 64, 70, 72, 73, 74, 77) ।

इकाई –3– कबीरदास – कबीर ग्रंथावली (संपा. डॉ. ष्यामसुंदर दास)
पचास साखी एवं पाँच सबद(पद)।

1. गुरूदेव को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
2. सुमिरण को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
3. विरह को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
4. ज्ञान विरह को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
5. परचा को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ

प्रारंभिक पाँच सबद(पद)।

इकाई –4– मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत : आचार्य रामचंद्र षुक्ल (नागमति वियोग खंड)

इकाई –5– द्रुत पाठ के कवि : सरहपाद, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, जगनिक, सुंदरदास, रैदास, कुतुबन।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.पृथ्वी राज रासो–संपादक–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी,

2.विद्यापति–डॉ.आनंद प्रकाष दीक्षित,

3.कबीर– कबीर ग्रंथावली, संपादक–डॉ.ष्यामसुंदर दास,

4.कबीरदास–डॉ.कांतिकुमार, किताबघर ग्वालियर,

5.जायसी–पद्मावत–संपादक–आचार्य रामचंद्र षुक्ल

6.कबीर की विचारधारा–गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन कानपुर।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, प्रथम सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–तृतीय : भारतीय काव्यषास्त्र

इकाई –1– संस्कृत काव्यषास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

इकाई –2– रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार–सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई –3– रीति–सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–रीति एवं षैली, गुण, रीति सिद्धांत की प्रमुख अवधारणाएँ।

ध्वनि–सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य।

इकाई –4– वक्रोक्ति–सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई –5– (क)हिन्दी कवि–आचार्यों का काव्यषास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि–चिंतन :

(ख) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

1. षास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविष्लेषणवादी, सौंदर्यषास्त्रीय, षैलीवैज्ञानिक और समाजषास्त्रीय।
2. व्यवहारिक समीक्षा : प्रष्नपत्र में पूछे गये किसी काव्यांष की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.भारतीय काव्यषास्त्र–प्रो.सत्यदेव चौधरी,

2.रस सिद्धांत–डॉ.सुंदरलाल कथूरिया,

3.रस–मीमांसा– आचार्य रामचंद्र षुक्ल,

4.ध्वनि सिद्धांत तथा तुलनीय साहित्य चिंतन–डॉ. बच्चूलाल अवस्थी,म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी,

5.हिन्दी साहित्यषास्त्र–डॉ.कृष्ण वल्लभ जोषी।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, प्रथम सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : हिन्दी उपन्यास एवं कहानी साहित्य

इकाई –1– हिन्दी उपन्यास साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
इकाई –2– गोदान– प्रेमचंद।
इकाई –3– मैला आँचल– फणीष्वर नाथ 'रेणु'।
इकाई –4– रानी दुर्गावती– वृदांवनलाल वर्मा।
इकाई –5– मानस का हंस– अमृतलाल नागर।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.प्रेमचंद और उनका युग–डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन दिल्ली,

2.मैला आँचल की रचना प्रक्रिया–देवेष ठाकुर, वाणी प्रकाषन दिल्ली,

3.उपन्यास और राजनीति–डॉ. सुषमा षर्मा, स्मृति प्रकाषन, इलाहबाद,

4.हिन्दी उपन्यास साहित्यः वैचारिक आंदोलन का प्रभाव– डॉ. पी. के. पण्डया,पंकज पब्लिकेषन

5.हिन्दी उपन्यास– गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन कानपुर।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम प्रष्नपत्र–एक पूर्णांक–40

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

इकाई –1– आधुनिक काल– आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण।
भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।
इकाई –2– द्विवेदी युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ। हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।
इकाई –3– उत्तरछायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ– प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।
इकाई –4– हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि।
इकाई –5– संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास। स्त्री विमर्ष और दलित विमर्ष का परिचय।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.भारतेंदु हरिष्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ–डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन,दिल्ली,

2.स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य–डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजकमल प्रकाषन,दिल्ली,

3.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह,

4.हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–द्वितीय : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(मध्यकालीन काव्य)

इकाई –1– सूरदास– भ्रमरगीत सार (संपादक–आचार्य रामचंद्र षुक्ल) प्रारंभिक 50 पद।

इकाई –2– तुलसीदास– रामचरितमानस, गीताप्रेसगोरखपुर
अयोध्याकाण्ड (दोहा 125 से 175 तक) 60 दोहे।

इकाई –3– बिहारीलाल– बिहारी रत्नाकर (संपादक–पं. जगन्नाथदास रत्नाकर)प्रारंभिक 50 दोहे।

इकाई –4– घनानंद– (संपादक–विष्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक दोहे 25 छंद।

इकाई –5– द्रुत पाठ के कवि– नंददास, मीराबाई, रसखान, केषवदास, भूषण, पद्माकर, रहीम।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.सूर साहित्य– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

2.सूरदास–मुंषीराम षर्मा 'सोम',

3.श्री रामचरितमानस–श्री विनायकी टीका सहित, पं. विनायकराव 'नायक', म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन

4.बिहारी का नया मूल्यांकन–डॉ. बच्चन सिंह, हिन्दी विचारक संस्थान,वाराणसी,

5.रीतिकाव्यधारा–डॉ. रामचंद्र तिवारी, वि.वि. प्रकाषन, वाराणसी।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–तृतीय : पाष्चात्य काव्यषास्त्र

इकाई –1– प्लेटो : काव्य–सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, विरेचन सिद्धांत। लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

इकाई –2– ड्राइडन के काव्य सिद्धांत, वड्र्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत, कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित–कल्पना।

इकाई –3– मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य। टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनषीलता का असाहचर्य, आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना।

इकाई –4– सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविष्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई –5– आधुनिक समीक्षा की विषिष्ठ प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, षैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.पाष्चात्य काव्यषास्त्र का इतिहास–डॉ. तारकनाथ बाली, मैकमिलन,

2.पाष्चात्य काव्यषास्त्र–डॉ. कृष्ण वल्लभ जोषी, स्मृति प्रकाषन, इलाहबाद,

3..पाष्चात्य साहित्य चिंतन–निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाषन, दिल्ली,

4.हिन्दी साहित्यषास्त्र–डॉ. कृष्ण वल्लभ जोषी, स्मृति प्रकाषन, इलाहबाद।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : हिन्दी कहानी साहित्य

इकाई –1– हिन्दी कहानी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

कहानियाँ–

इकाई –2– उसने कहा था– चंद्रधर षर्मा 'गुलेरी', दो बाँके– भगवतीचरण वर्मा,
ताई– विष्वंभरनाथ षर्मा 'कौषिक', हार की जीत–सुदर्षन, मंत्र– प्रेमचंद।

इकाई –3– पुरुस्कार– जयषंकर प्रसाद, पत्नी– जैनेन्द्र कुमार, परदा–यषपाल,
ठेस– फणीष्वरनाथ 'रेणु', रोज–अज्ञेय,,।

इकाई –4– आर्द्रा–मोहन राकेष, राजा निरबंसिया– कमलेष्वर,
सिक्का बदल गया– कृष्णा सोबती, चीफ की दावत– भीष्म साहनी,
वापसी– उषा प्रियंवदा।

इकाई –5– जलती झाड़ी– निर्मल वर्मा, नकली हीरे– मन्नू भंडारी,
फेंस के इधर–उधर –ज्ञानरंजन, दोपहर का भोजन– अमरकांत, तिरिछ–उदय प्रकाष।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.हिन्दी कहानी–डॉ.रामदरष मिश्र,

2.समकालीन हिन्दी कहानी–डॉ.अमर सिंह वधान।

3.आधुनिक हिन्दी कहानी–डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,

4.समकालीन कहानी की पहचान–डॉ. नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,।

5.ज्ञानरंजन की कहानियाँ : परिवर्तित दृष्यपटल का मनुष्य–डॉ. संजुल षर्मा, विनायक प्रकाषन, जबलपुर।